पाठ - 18

बाँसुरी वाला

प्रश्न-1 शब्दार्थ लिखो।

(1) कुतरना - छोटे-छोटे टुकड़े करना
(2) त्रस्त - परेशान
(3) मंजूर - स्वीकार
(4) मधुर - मीठी
(5) पछतावा - पश्चाताप
(6) खुशी - प्रसन्नता

प्रश्न-2 प्रश्न - उत्तर

(क) बेईमानी करनेवालों की क्या स्थिति होती है?
उत्तर- बेईमानी करनेवालों को कभी-कभी दोगुना दंड भरना पड़ता है।

(ख) बाँसुरी वाले ने चूहों को कैसे मारा?
उत्तर- बाँसुरी वाले ने बाँसुरी बजाकर सभी चूहों को मोहित कर लिया फिर नदी के पानी में ले जाकर मार दिया।

(ग) चूहे बाँसुरी वाले के पास कैसे आ गए?
उत्तर- चूहे बाँसुरी वाले की बाँसुरी की आवाज़ सुनकर उसके पास आ गए।

(घ) बाँसुरी बजाते-बजाते बाँसुरी वाला कहाँ चला गया था ?

उत्तर- बाँसुरी बजाते-बजाते बाँसुरी वाला नदी की ओर चला गया था।

(ङ) बाँसुरी वाले ने गाँववालों से दस हजार रुपए कैसे निकलवाए ?

उत्तर- बाँसुरी वाले ने और अधिक मधुर स्वर में बाँसुरी बजानी शुरु कर दी। गाँव के सारे बच्चे मस्त होकर नाचने लगे। गाँववालों को लगा कि नाचते-नाचते बच्चों के प्राण न निकल जाएँ तब उन्होंने बाँसुरी वाले को दस हजार रुपए दिए।

प्रश्न-3 प्रश्न - उत्तर

(क) गाँव के लोग किससे छुटकारा पाना चाहते थे ?

उत्तर- गाँव के लोग चूहों से छुटकारा पाना चाहते थे।

(ख) बाँसुरी वाले ने गाँववालों से क्या माँगा ?

उत्तर- बाँसुरी वाले ने गाँववालों से पाँच हजार रुपए माँगे।

(ग) बाँसुरीवाले ने गाँववालों की मदद कैसे की?
उत्तर- बाँसुरी वाले ने पहले बाँसुरी बजाकर सभी चूहे बाहर निकाले फिर बाँसुरी बजाते-बजाते चूहों को नदी के पास ले गया और वह नदी में उतर गया। चूहे भी उसके पीछे-पीछे पानी में कूद गए और डूबकर मर गए। इस प्रकार बाँसुरी वाले ने गाँववालों की मदद की।

(घ) गाँववालों ने पैसे देने से इंकार क्यों किया?
उत्तर- गाँववालों ने पैसे देने से इंकार किया क्योंकि वे सब बेईमान थे।

(ङ) पैसे न मिलने पर बाँसुरी वाले ने क्या किया?
उत्तर- पैसे न मिलने पर बाँसुरी वाले ने और अधिक मधुर स्वर में अपनी बाँसुरी बजाई। यह सुनकर, सभी गाँव के सारे बच्चे बाहर आ गए और नाचने लगे। मजबूर होकर गाँववालों को बाँसुरी वाले को दुगने पैसे देने पड़े।

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) **बाँसुरी** [✓] **ड्रम** [ ] की धुन बड़ी सुरीली और कर्णप्रिय होती है।

(ख) बाँसुरी बजाने वाले को **गायक** [ ] **वंशीवादक** [✓] कहते हैं।

(ग) भगवान श्री कृष्ण ने **वंशी** [✓] **ड्रम** [ ] की धुन बजाकर सबको अपने वश में कर लिया था।

(घ) गाँववालों ने बाँसुरी वाले को **पंद्रह** [ ] **दस** [✓] हज़ार रुपए दिए।

MCQ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

3. जोड़े मिलाओ-

(क) किसानों की फ़सल को नुकसान पहुँचाते हैं।	आनंदित (5)
(ख) गाँववालों ने बाँसुरी वाले को रुपए दिए।	बेईमानी (3)
(ग) हमें किसी के साथ नहीं करनी चाहिए।	खुशी की लहर (4)
(घ) गाँव के लोगों में दौड़ गई।	दस हज़ार (2)
(ङ) बांसुरी की धुन पर सभी हो जाते हैं।	चूहे (1)

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

गाँव - गाँव के लोग बहुत भोले होते हैं।

बाँसुरी वाला - बाँसुरी वाला भला आदमी था।

आखिरकार - आखिरकार चूहे भाग गए।

खुशी की लहर - गाँव के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

भाषा कौशल

1. संस्कृत भाषा के वे शब्द जो अपने मूल रूप में हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं और जो शब्द अपने मूल स्वरूप को त्याग कर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

दिए गए तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखो-

शाम - सायम्

मौत - मृत्यु

भाई - भ्राता

मुँह - मुख

आग - अग्नि

घर - गृह

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो-

(क) एक गाँव में हज़ारों चूहे रहते थे।

(ख) वे घर का समान, कपड़े आदि कुतर डालते थे।

(ग) गाँव के लोग चूहों से त्रस्त थे।

(घ) गाँववालों ने पाँच हज़ार रुपए देना मंज़ूर कर लिया।

(ङ) बच्चे बाँसुरी की धुन पर नाचने लगे।

3. सही शब्द चुनकर लिखो-

(क)	बांसुरी	बाँसुरी	बाँसुरी
(ख)	गाँव	गांव	गाँव
(ग)	बेइमान	बेईमान	बेईमान
(घ)	रूपऐ	रुपए	रुपए
(ङ)	नुकशान	नुकसान	नुकसान

रचनात्मक कौशल

'काबुलीवाला' कहानी आपने पढ़ी होगी। कहानी का संक्षेप में वर्णन करो-

रचनात्मक कौशल

'काबुलीवाला' कहानी आपने पढ़ी होगी। कहानी का संक्षेप में वर्णन करो-

कविश्रेष्ठ रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा लिखित "काबुलीवाला" कहानी बहुत ही प्रसिद्ध एवं हृदयस्पर्शी है।

एक दिन की बात है, रवींद्रनाथ ठाकुर की पाँच वर्ष की बेटी मिनी चिल्लाने लगी, "काबुलीवाला, ओ काबुलीवाला।" मैले-कुचले ढीले कपड़े पहने, सिर पर साफा बाँधे, कंधे पर मेवों की झोली लटकाए, हाथ में दो अंगूर की पिटारियाँ लिए एक लंबा-सा काबुलीवाला धीमी चाल से सड़क पर जा रहा था।

लेकिन मिनी के चिल्लाने पर ज्योंही काबुलीवाला मिनी के घर की ओर बढ़ा, वह भाग कर डरकर भीतर चली गई। उसके बाबू जी ने काबुलीवाले से कुछ सौदा किया। काबुलीवाले ने पूछा, "बाबू साहब! तुम्हारी लड़की कहाँ गई?" बाबू जी ने भ्रम व डर दूर करने के लिए मिनी को बुलाया, काबुलीवाला किशमिश खूबानी निकालकर देना चाहता था लेकिन मिनी ने नहीं लिया। वह दूने संदेह के साथ अपने बाबू जी के घुटनों में चिपट गई। काबुलीवाला से मिनी का यह पहला परिचय था।

कुछ दिनों में तो काबुलीवाला और मिनी इतने घुल-मिल गए कि घंटों दोनों में बातें होती रहती थीं। काबुलीवाला रोज़ आता और मिनो को कुछ किशमिश आदि ज़रूर देता और एक अठन्नी उसकी झोली में डाल दी जाती। यह क्रम सालों चलता रहा।

काबुलीवाले को किसी अपराध में जेल हो गई। कई सालों बाद जब वह जेल से लौटा तो मिनी से मिलने आया। उस दिन उसकी शादी हो रही थी। तब उसने अपनी जेब से अपनी बेटी के पंजों के निशान वाला कागज़ निकाला और बताया कि बाबू जी मेरी भी इतनी बड़ी बेटी है। मिनी को देखकर अपनी बेटी जैसा प्यार पा लेता हूँ। कवि ठाकुर की आँखें भर आईं। उन्होंने पचास रुपए का नोट निकाल कर काबुलीवाले को दिया और कहा, "तुम अपने देश जाओ और अपनी बेटी से मिलो, तभी मिनी को सुख मिलेगा।" बाबू जी ने बड़े सादे समारोह में मिनी की शादी की।